सत्यमेव जयते

HALAM INCHUPHUT BU

হালাম ভাষা প্রবেশিকা

हालाम् भाषा प्रवेशिका

HALAM PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

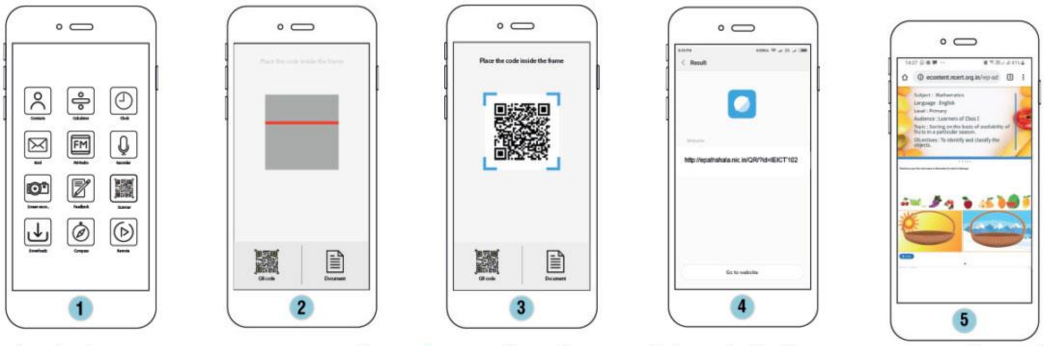

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

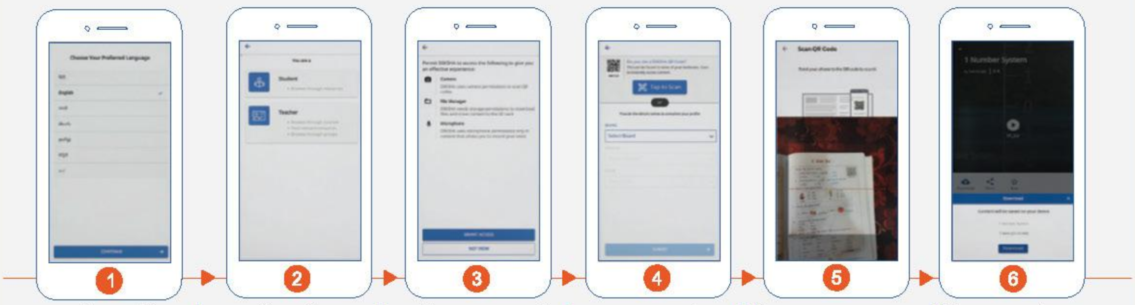

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

HALAM INCHUPHUT BU

হালাম ভাষা প্রবেশিকা

हालाम् भाषा प्रवेशिका

HALAM PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

HALAM INCHUPHUT BU

হালাম ভাষা প্রবেশিকা

हालाम् भाषा प्रवेशिका

HALAM PRIMER

A basal reader of Halam alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Pinki Wary

ISBN: 978-81-971106-7-2

First Edition: July, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K
Cover Photo: Ratan Lal Halam

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित होंगे।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों; जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

जुलाई 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

ভারত যুগযুগ ধরে বহুভাষী দেশ, দেশের বিভিন্ন অঞ্চলে বহু কথ্যভাষা রয়েছে। কথোপকথনে একাধিক ভাষা ব্যবহার করা দেশের একটি সাধারণ বৈশিষ্ট্য, এটি আমাদের একত্রে আবদ্ধ করে এবং ঐক্যবদ্ধ রাখে। জাতীয় শিক্ষানীতি (NEP) 2020 দৃঢ়ভাবে এই ধারণার উপর জোর দেয় যে, ভারতের বহুভাষিক প্রকৃতি একটি বিশাল সম্পদ যা দেশের সামাজিক-সাংস্কৃতিক, অর্থনৈতিক এবং শিক্ষাগত উন্নয়নের জন্য দক্ষতার সাথে ব্যবহার করা প্রয়োজন।এটি প্রতিটি স্তরে শিক্ষায় বহুভাষিকতার প্রচারের সুপারিশ করে যাতে শিক্ষার্থীরা তাদের নিজস্ব ভাষায় পড়াশুনা করার সুযোগ পায়। সমস্ত ভারতীয় ভাষায় শিক্ষণ ও শিখন উপকরণ তৈরি করণ এই বহুভাষিক সম্পদকে

বাড়িয়ে তুলবে এবং ‘বিকশিত ভারত’ এর রূপকল্পে আরও ভালো অবদান রাখবে। বলা হয়েছে NEP 2020 এর সাথে সামঞ্জস্য রেখে নবপর্যায়ের প্রাথমিক পাঠ্যপুস্তক বিকাশের জন্য একটি ব্যাপক ও অন্তর্ভুক্ত পদ্ধতির প্রয়োজন যা ভারতে প্রতিটি অঞ্চলের অন্যান্য ভাষাগত এবং সাংস্কৃতিক বৈশিষ্ট্যগুলিকে সম্বোধন করে। এই প্রাথমিক পাঠ্যপুস্তকগুলির উদ্দেশ্য হল পড়া ও লেখার ক্ষেত্রে শুধুমাত্র ভাষার দক্ষতা প্রদান করা নয় বরং প্রাথমিক পর্যায়ের শিক্ষার্থীদের সৃজনশীলতা এবং সমালোচনামূলক চিন্তাভাবনাকে উৎসাহিত করা। এটি একটি ভাষার বর্ণমালার হরফ এবং প্রতীক ও উচ্চারণ স্বীকৃতির চাবিকাঠি। প্রাথমিক পাঠ্যপুস্তকগুলি হরফের এক বা একাধিক পর্যায়ের সাথে শিশুদের পরিচয় করিয়ে দেয় যা হরফগুলির সংমিশ্রণের মাধ্যমে তৈরি করা হয়, যেমন শব্দের প্রাথমিক, মধ্যবর্তী ও চূড়ান্ত অবস্থানের হরফ। সেইসাথে এটি এমন উদাহরণ তৈরি করে যা পরবর্তিতে প্রবর্তিত হরফ লেখার অনুশীলনকে সহজতর করবে এবং ছড়াগুলি শিক্ষার্থীদের ভাষা বিকাশ এবং জ্ঞানীয় দক্ষতায় সাহায্য করবে।

जुलाई 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Halam Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Co-Coordinator

Salam Brojen Singh, RP (Teaching) in Manipuri, North Eastern Regional Language Centre (NERLC), (CIIL), Guwahati

Resource Persons

Ratan Lal Halam, Halam Language Consultant, Janthum, Dhalai, Tripura
Naijonglal Halam, Halam Language Consultant, Janthum, Dhalai, Tripura

Reviewers

Jayanta Halam, President, Halam Socio-Cultural Organisation, North-East Committee
Jiban Halam, Organizing Secretary, Halam Socio-Cultural Organisation, North-East Committee

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, NERLC, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

হালাম ভাষা প্রবেশিকা বইটি কিভাবে পড়াবেন

জাতীয় শিক্ষানীতি 2020 এবং জাতীয় পাঠক্রম কাঠামো 2022 এর অধীনে, তিন থেকে আট বছরের শিশুদের জন্য তাদের মাতৃভাষা, স্থানীয় ভাষা এবং আঞ্চলিক ভাষায় শিক্ষা প্রদানের ব্যবস্থা করা হয়েছে। কেন্দ্রীয় সরকার তিন থেকে পাঁচ বছরের প্রাক-প্রাথমিক শিক্ষার্থীদের মৌলিক সাক্ষরতা এবং I-II শ্রেণিতে শিক্ষার্থীদের প্রাথমিক সাক্ষরতা প্রদানের জন্য বিশেষ ব্যবস্থা নিয়েছে। তাই এই প্রবেশিকাটিতে হালাম ভাষায় লেখা কবিতা ও শব্দের মাধ্যমে শিক্ষার্থীদের মৌখিক ভাষা বিকাশের উপর জোর দেওয়া হয়েছে। পাঠ্যপুস্তকে হালাম ভাষা বর্ণমালার পরিচয় দেওয়া হয়েছে এবং ছবির সাহায্যে শব্দের পরিচয় দেওয়া হয়েছে। জাতীয় পাঠক্রম কাঠামো 2022 এ বিশদভাবে বিবরণ দেওয়া রয়েছে- কিভাবে শিক্ষার্থীরা তাদের মাতৃভাষায় পড়তে ও লিখতে শেখার সময় সেই রাজ্যের প্রধান ভাষাও লিখতে ও পড়তে শিখতে পারে। তাই হালাম বর্ণমালার পাঠ্যপুস্তকে শিশুর মাতৃভাষার পাশাপাশি বাংলা ভাষার শব্দও অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে। এই শব্দগুলো শিশুর চারপাশের পরিচিত পরিবেশ থেকে সংগ্রহ করে পাঠ্যপুস্তকে অন্তর্ভুক্ত করা হয়েছে। বহুভাষিক শিক্ষার মূল লক্ষ্য হল মাতৃভাষায় শিক্ষার্থীদের পঠন ও লিখন দক্ষতার উন্নতি করা। পাঠ্যপুস্তকটি হালাম ও বাংলা ভাষায় উপস্থাপিত এবং শিশু শিক্ষার্থীদের জন্য নকশাকৃত। পাঠ্যপুস্তকের মূল উদ্দেশ্য হল কবিতা ও ছবির মাধ্যমে শিশুদের বুদ্ধিবৃত্তিক ও মানসিক বিকাশ ঘটানো। সেইসঙ্গে ভাষা শিক্ষার জন্য শিক্ষার্থীদের বর্ণমালার পাশাপাশি শব্দভাণ্ডারের সাথেও পরিচয় করিয়ে দেওয়া।

পাঠ্যপুস্তকটি ব্যবহারের নিয়মাবলী :

শব্দ পরিচিতি : শিক্ষার্থীরা পাঠ্যপুস্তকে ছবি দেখে বস্তুর নাম বলবে। শিক্ষক/শিক্ষিকাগণ প্রশ্ন করবেন যে- বস্তুটির নাম কোন ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হয়েছে। শিক্ষার্থীরা ছবিটি দেখার পর তা বুঝতে পারবে। যেমন- ‘Ai’ ছবিটি দেখে শিশুরা উত্তর দেবে শব্দটি ‘A’ ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হয়েছে।

বর্ণমালার পরিচিতি : শিক্ষক/শিক্ষিকা ‘A’ বর্ণটিকে চিহ্নিত করার জন্য শিক্ষার্থীদের প্রশ্ন করবেন- ‘A’ বর্ণটি দেখতে কেমন? তাঁরা শিক্ষার্থীদের পাঠ্যপুস্তকে দেওয়া শব্দ থেকে ‘A’ বর্ণটি খুঁজে বের করতে বলবেন। শিক্ষার্থীরা তিন বা চারটি শব্দ থেকে ‘A’ বর্ণযুক্ত শব্দ খুঁজে বের করে উচ্চারণ করবে এবং ‘A’ বর্ণটি লেখার অভ্যাস করবে।

পড়া : শিক্ষার্থীরা ছবি দেখে তাদের নিজস্ব ভাষায় কথা বলার চেষ্টা করবে এবং নির্দিষ্ট ছবিটি আঙুল দিয়ে স্পর্শ করে ‘Ai’ শব্দটি উচ্চারণ করবে। তারপর শিক্ষার্থীরা ‘A’ ধ্বনি বা বর্ণ দিয়ে শুরু হওয়া অন্যান্য শব্দ পড়ে ‘A’ ধ্বনি বা বর্ণটিকে খুঁজে বের করতে এবং বলতে শিখবে। শিক্ষক/শিক্ষিকা প্রারম্ভিক,মধ্য এবং অন্ত্য অবস্থানে ‘A’ ধ্বনি/বর্ণের ব্যবহার সম্পর্কে শিক্ষার্থীদের উদাহরণসহ বলবেন।

লেখা: শিক্ষকরা প্রথমে শিক্ষার্থীদের ‘Ai’ শব্দের ‘A’ বর্ণটি লিখতে শেখাবেন। শিক্ষকেরা শিশুদের শেখাবেন কিভাবে কলম ধরে বাম থেকে ডানে লিখতে হয়।তারপর শিশুরা নিজেরাই বর্ণমালা দেখে ‘আ’ বা অন্যান্য বর্ণ লিখতে অভ্যাস করবে এবং লেখার সময় শিক্ষক/শিক্ষিকা তাদের সাহায্য করবেন।

হালাম ভাষাভাষী শিশুদের মাতৃভাষার পাশাপাশি বাংলাভাষাতেও ‘হালাম ভাষা প্রবেশিকা’টি প্রস্তুত করা হয়েছে।

Anroi ingomtakin injikpu hanko taksapin magiekroi ahrongna han :

In ding inzik :

Ahin inzik :

Inkho inzik 1 :

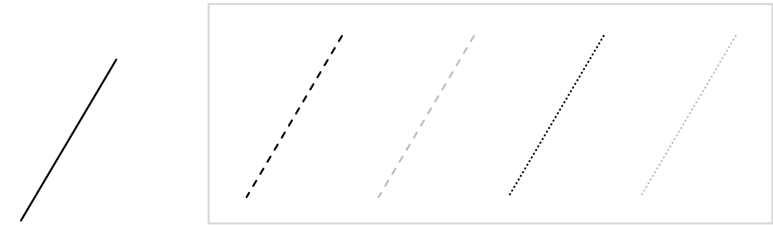

Inkho inzik 2 :

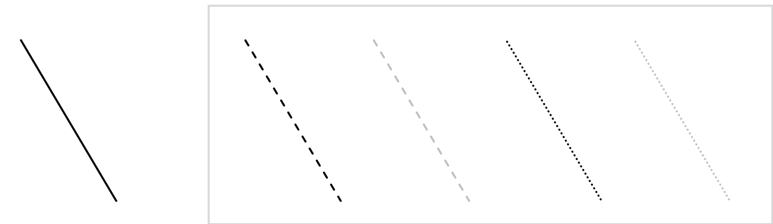

In kual 1 :

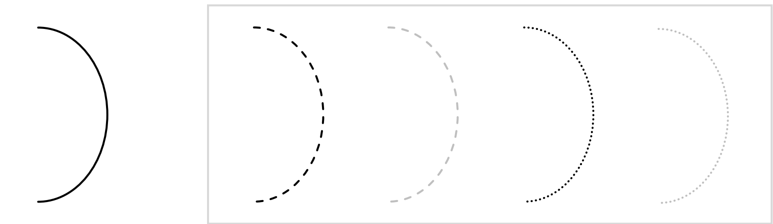

In kual 2 :

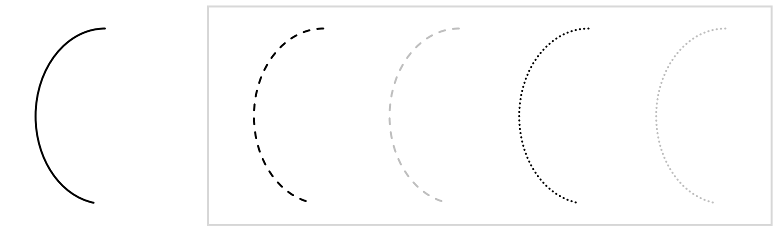

Jiak anriatna: Manchupu manchurang ahnang inginmo ziekkong surdan le magiek rang ingikpu ahrang pakna.

HALAM HOROPRIATNA
(Halam Alphabet)

RASHA IN RING
(Vowel Letters)

A	E	I	O	U
a	e	i	o	u

RASHA AHDOWI
(Consonant Letters)

B	CH	D	F	G
H	J	K	KH	L
M	N	NG	P	R
S	T	TH	V	W
		Z		

b	ch	d	f	g
h	j	k	kh	l
m	n	ng	p	r
s	t	th	v	w
		z		

A
a

Ai

কাঁকড়া

Ai aom khora
Hinteng hanteng aloth
Aite sak ajong.

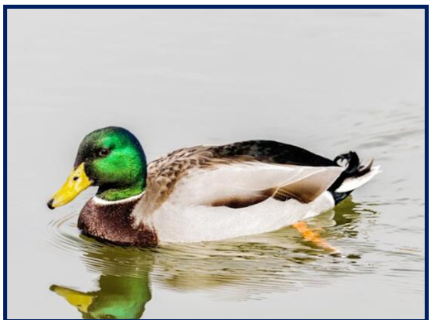

Akei	Vatok	Mowrcha
বাঘ	হাঁস	মরিচ

A A A

B

b

Bem

খাড়া

Bem neinun aplena
Ngalib aom
Abe anrasel.

Buroi

কুল

Abe

বরবটি

Ngalib

মাছের স্কেল

B B B

CH
ch

Choli

থলি

Choli rava khual ase na
Inchal phil sunga aom
Michmul akap sang.

Chengkha

করলা

Inchal

কেঁচো

Mich

চোখ

CH CH CH

D
d

Dar

ঘণ্টা

Dar rasa kholu inchuna
Kokodawn adon innai
Baubel sutna besud.

Daidil

তিত বেংগুন

Kokodawn

ঢেঁকিশাক

Besud

পাত্র স্ট্যান্ড

D D D

E

e

Belmara

বেল

Belmara akorok chu a ngar

Asung chu belmara athum jap

Akung raling chu angei belmara.

Aieng	Melsa nu	Dumde
হলুদ	সুন্দরী মেয়ে	জোনাকি

E	E	E	

F
f

Folou

ফোলৌ

Farbali maram bagum bagum

Lam fuong marim mual anphoi

Araf chunga bubel anbel anbang.

Farbali	Lamfuong	Araf
পায়রা	কাঁঠাল	আরাফ

F	F	F	

G

g

Gari

গাড়ি

Gingil ali nongak no
Thingbo anoya adaiream
Reang ansung asug mona.

Gingil	Thingbo	Reng
কণ্ঠহার	পাতা	রাজা

G G G

H

h

Ha

দাঁত

Aisuo tui ralna
Theihai mara
Pu atar.

Haisuo	Theihai	Puh
মগ	আম	দাদু

H H H

I

i

In

বাড়ি

In aomna
Nisa asuak
Mulai bal.

Inawat

টিকটিকি

Nisa

সূর্য

Mulai

মূলা

I I I

J
j

Jamja

হাত পাখা

Jamja aluma injap na
Majute sak arok
Sajana mara eisak.

Sajana

সজনে

Maju

ইঁদুর

J

J J J

K k	Ke পা

Kel chiak asak
Kelraki mara
Sakmatak sakjat.

Kel	Kelraki	Sakmatak
ছাগল	ঢেঁড়স	শসা

K K K

KH
kh

Khai

গঙ্গাফড়িং

Khai te a vuong jei
Chek bo an madu khai te ngei
Bu kung a khom anaom khai.

Khama	Sakhi	Tikhanglai
কচু	হরিণ	জল বাগ

KH	KH	KH	

L
l

Laikin

গিরগিটি

Laikin te thingbak achar na aom
Ei madu laikin te rapik-rapak
A ring assen tet laikin te.

Lukharok

মাথা

Seloi

মহিষ

Invel

ঘড়ি

L	L	L	

M
m

Mot

কলা

Marul alon
Semetrai amin
Jalmuna lukham.

Marul	Semetrai	Lukham
সাপ	কমলা	বালিশ

M M M

N
n

Nar

নাক

Nar marim riatna
Monta asung rou
Maroon amara.

Nol nok	Monta	Maroon
পুঁই শাক	বেগুন	জলপাই

N N N

NG
ng

Nga

মাছ

Nga ti dunga anliai
Purunngai asak vonpur adam
Khokheleng deng asak atui.

Nangma

তুমি

Purunngai

রসুন

Khokheleng

অড়র

NG NG NG

O

o

Owang

বাজপাখি

Owang anram naite achi
Roupa apar thing panga
Nga vuong avongjei.

Ropa

কাঠের মাশরুম

Nga vuong

উড়ন্ত মাছ

O

O O O

P p

Par

ফুল

Par hi ei en a eilung ahoi
Rozo atam aom par chu
A marim ahoi khom aom par chu.

Pisulu

ফড়িং

Maipol

চালকুমড়া

Felep

প্রজাপতি

P P P

R

r

Rakuong

নৌকা

Rakuang ti enkan na
Mortei amin murpa tha
Maser rathi abuang asa.

Ramai	Mortei	Maser
মিষ্টি কুমড়া	আনারস	লেবু

R R R

S

s

Sowbri

পেয়ারা

Sarat aal akei
Saksal me loi anang
Khorgus te rakul an khum.

Serat

গরু

Saksol

শামুক

Khorgus

খরগোশ

S S S

T t	Ti জল

Tidung alien
Setel alon
Kumsat mi thi injup.

Tioum	Setel	Kumset
বোতল লাউ	কাছিম	ছারপোকা

T	T	T	

TH
th

Theithur

চুকুর

Tha var apoul
Mathumpeng asak athum
Khengthing morcha deng na.

Theili	Mathumpeng	Khengthing
বাঁশি	মিষ্টি আলু	পেষণী

TH TH TH

U
u

Ui

কুকুর

Ui tangpa in a rung
Achan amar ui tang pa
Zan a anin angig ui chu.

Uichawk

ব্যাঙ

Kua

সুপারি

Simbu

পেঁচা

U U U

V v	Va পাখি

Va ngei anin ram jei
Zing khuo avar jei
Inthoi toroi loko ngei.

Vawk

শূকর

Avawm

ভালুক

Popveng

জানলা

V	V	V	

W

w

Wolpup

ছাতা

Wolpup ruo ahong le ei a khu
Nisa alum zora wolpup anang
Inchunzwal a eira chok
wolpup.

Awle	Kawifal	Varahaw
কুমীর	পেঁপে	ময়ূর

W W W

Z

z

Zong

বানর

Zong te thing rel a akal
Thing bak a
zong te anka ti-tir
An sak chu thing mara zong ngei.

Ziksun

বাঁধাকপি

Bazar

বাজার

Z

Z Z Z

HAROI TELREI UI :		
1	Khat	
2	Ni	
3	Thum	
4	Manli	
5	Ranga	
6	Aruk	
7	Sari	
8	Ariet	
9	Akuo	
10	Sawm	

11	Sawm Lei Khat	
12	Sawm Lei Ni	
13	Sawm Lei Thum	
14	Sawm Lei Manli	
15	Sawm Lei Ranga	
16	Sawm Lei Aruk	
17	Sawm Lei Sari	
18	Sawm Lei Ariet	
19	Sawm Lei Akuo	
20	Sawm Inni	

HAROI ATEL INCHUREI UI :				
1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

ENGLISH HOROP

(English Alphabet)

A	B	C	D	E	F	G
H	I	J	K	L	M	N
O	P	Q	R	S	T	U
	V	W	X	Y	Z	

a	b	c	d	e	f	g
h	i	j	k	l	m	n
o	p	q	r	s	t	u
	v	w	x	y	z	

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

1	2	3	4	5
Install ePathshala Scanner app from Play Store and open	Get ready with QR code scanning window	Place scanner above the QR code	Select and click on the link	Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

1	2	3	4	5	6
Select preferred language	Choose your role: Student or Teacher	Grant access and allow app permissions	Tap to scan the QR code	Focus camera on the QR code in textbook	Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language
1	ANAL
2	ANGAMI
3	AO
4	ASSAMESE
5	BHUTIA
6	BODO
7	DEORI
8	DESIA
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALABI (HALBI)
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI (RONGMEI)
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA (COORGI/KODAGU)
23	KONDA
24	KORKU
25	KOYA
26	KUI
27	KUKI
28	KURUKH/ORAON
29	KUWI
30	KUZHALE (KHEZHA)
31	LIANGMAI
32	LIMBU
33	LOTHA
34	MANIPURI
35	MAO
36	MISHMI
37	MISING
38	MIZO
39	MOGH
40	MUNDARI
41	NEPALI
42	NYISHI (NISSI)
43	RAI
44	SANTALI (ODISHA)
45	SANTALI (WEST BENGAL)
46	SAVARA (SORA)
47	SHERPA
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language
55	ADI
56	BHUMIJ
57	CHANG
58	GONDI
59	HALAM
60	HO
61	KHIAMNIUNGAN
62	KOCH
63	KODA (KORA)
64	KOLAMI
65	KOM
66	KONYAK
67	LADAKHI
68	LEPCHA
69	MARA (LAKHER)
70	MARAM
71	NOCTE
72	PASHTO
73	POCHURY
74	RABHA
75	RENGMA
76	SHINA
77	TAMIL
78	TIBETAN
79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (45)

SN	Language
80	ARABIC/ARBI
81	BALTI
82	BENGALI
83	BHILI/BHILODI
84	BISHNUPURIYA (BISHNUPRIYA MANIPURI)
85	CHAKHESANG
86	CHOKRI
87	DOGRI
88	GANGTE
89	GUJARATI
90	HINDI
91	KANNADA
92	KASHMIRI
93	KHASI
94	KHOND/KONDH
95	KOKBOROK (TRIPURI)
96	KONKANI
97	KORWA
98	LAHAULI
99	LAHNDA
100	LAI (PAWI)
101	MAITHILI
102	MALAYALAM
103	MALTO
104	MARATHI
105	MARING
106	MONPA
107	MUNDA
108	NICOBARESE
109	ODIA
110	PAITE
111	PARJI
112	PHOM
113	PUNJABI
114	SANGTAM
115	SANSKRIT
116	SANTALI (JHARKHAND)
117	SINDHI
118	TELUGU
119	THADOU
120	URDU
121	VAIPHEI
122	ZELIANG
123	ZEME (ZEMI)
124	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in